राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद

Question 1.
परशुराम के अनुसार लक्ष्मण इनमें से क्या है ?
(a) मूर्ख
(b) कुबुद्धि
(c) कुटिल
(d) उपर्युक्त सभी

▼ Answer

Answer: (d) उपर्युक्त सभी
परशुराम को लक्ष्मण में ये तीनों बातें ही नजर आ रहीं थीं।

Question 2.
शूरवीर को अपनी शूरता .... प्रदर्शित करनी चाहिए ।
(a) स्वयंवर के समय
(b) अपने को औरों से बड़ा बताने के समय
(c) युद्ध भूमि में
(d) राजभवन में

▼ Answer

Answer: (c) युद्ध भूमि में
शूरता युद्ध भूमि में ही देखी जाती है, बातों से कोई शूरवीर नहीं होता।

Question 3.
'तुम तौ कालु हाँक जनु लावा' पंक्ति में निहित अलंकार ....
(a) उपमा
(b) उत्प्रेक्षा
(c) रूपक
(d) श्लेष

▼ Answer

Answer: (b) उत्प्रेक्षा
'जनु' का प्रयोग उत्प्रेक्षा अलंकार में ही होता है।

Question 4.
परशुराम ने (गाधिसूनु) का प्रयोग किसके लिए किया है ?
(a) स्वयं के लिए
(b) गुरु वशिष्ठ के लिए
(c) विश्वामित्र के लिए
(d) लक्ष्मण के लिए

▼ Answer

Answer: (c) विश्वामित्र के लिए
ये विश्वामित्र के पिता थे।

Question 5.
'अयमय खाँड न ऊखमय' पंक्ति में अलंकार .... है।
(a) श्लेष
(b) रूपक
(c) उत्प्रेक्षा
(d) अनुप्रास

▼ Answer

Answer: (a) श्लेष
खाँड के दो अर्थ हैं – खांडा (तलवार) और खांड जिससे मिठाइयाँ बनती हैं।

Question 6.
राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद में किस छंद का प्रयोग हुआ है ?
(a) सवैया
(b) चौपाई
(c) दोहा
(d) चौपाई व दोहा दोनों

▼ Answer

Answer: (d) चौपाई व दोहा दोनों
चौपाई और दोहा दोनों का ही प्रयोग है। प्रत्येक चौपाई के अंत में एक दोहा दिया गया है।

Question 7.
परशुराम के सिर पर अभी किसका ऋण शेष था ?
(a) माता का
(b) पिता का
(c) गुरु का
(d) शिवजी का

▼ Answer

Answer: (c) गुरु का
परशुराम शिवजी को अपना गुरु मानते थे, परन्तु श्रीराम ने शिवजी के धनुष को तोड़ दिया था।

Question 8.
लक्ष्मण ने ऋण चुकाने के लिए परशुराम से किसे बुलाने के लिए कहा ?
(a) किसी मध्यस्थ को
(b) हिसाब-किताब के जानकार को
(c) अपने गुरु को
(d) राज दरबारियों को

▼ Answer

Answer: (b) हिसाब-किताब के जानकार को
क्योंकि हिसाब-किताब करने पर ही ऋण चुकता है।

Question 9.
लक्ष्मण के शब्द परशुराम के लिए ………….थे ?
(a) क्रोध रूपी आग में जल के समान ।
(b) शीतलता प्रदान करने वाले
(c) जले पर नमक छिड़कने वाले
(d) क्रोध रूपी अग्नि में घी की आहुति के समान

▼ Answer

Answer: (d) क्रोध रूपी अग्नि में घी की आहुति के समान
परशुराम क्रोधी थे, परन्तु लक्ष्मण के वचनों में व्यंग्य था जिसके कारण परशुराम का क्रोध और भड़क गया; जैसे अग्नि घी की आहुति देने से और भड़क जाती है।

Question 10.
राम के वचन परशुराम के लिए
(a) जल के समान शीतल
(b) शहद के समान मधुर
(c) नीम के समान कड़वे
(d) कड़वी ककड़ी के समान

▼ Answer

Answer: (a) जल के समान शीतल
राम के जल के समान शीतल वचनों से परशुराम का क्रोध शांत हो गया।

Question 11.
इस संवाद में कौन-सा गुण है ?
(a) माधुर्य गुण
(b) ओज गुण
(c) प्रसाद गुण
(d) इनमें से कोई नहीं

▼ Answer

Answer: (b) ओज गुण
ओज गुण क्रोध एवं वीरता का भाव लिये होता है।

Question 12.
राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद में किस रस की प्रमुखता
(a) हास्य रस
(b) करुण रस
(c) शांत रस
(d) वीर रस

▼ Answer

Answer: (d) वीर रस
इस संवाद में वीरता की ही बातें हो रही हैं।

Question 13.
राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद में किस शब्द-शक्ति का प्रयोग है ?
(a) अभिधा
(b) लक्षणा
(c) व्यंजना
(d) इनमें से कोई नहीं

▼ Answer

Answer: (c) व्यंजना
लक्ष्मण ने परशुराम पर व्यंजना शब्दशक्ति का प्रयोग करते हुए तीखे व्यंग्य किए हैं।

Question 14.
तुलसीदास का जन्म कब और कहाँ हुआ ?
(a) तुलसीदास का जन्म सन् 1532 में उत्तर प्रदेश के बाँदा जिले के राजापुर ग्राम में हुआ
(b) इनका जन्म सन् 1585 में बनारस में हुआ
(c) इनका जन्म सन् 1432 में उज्जैन में हुआ
(d) इनका जन्म सन् 1532 में जयपुर राजस्थान में हुआ

▼ Answer

Answer: (a) तुलसीदास का जन्म सन् 1532 में उत्तर प्रदेश के बाँदा जिले के राजापुर ग्राम में हुआ
विद्वानों ने यह प्रमाणित किया है।

Question 15.
तुलसीदास किस शाखा के प्रतिनिधि कवि थे ?
(a) बल्लभमार्गी शाखा
(b) शिवामार्गी शाखा
(c) कृष्णमार्गी शाखा
(d) राममार्गी शाखा

▼ Answer

Answer: (d) राममार्गी शाखा
तुलसीदास का सम्पूर्ण साहित्य राम को आधार बनाकर लिखा गया है।

Question 16.
इनमें कौन-सी रचना तुलसीदास जी की नहीं है ?
(a) रामचरितमानस
(b) सुदामा-चरित
(c) कवितावली
(d) विनय पत्रिका

▼ Answer

Answer: (b) सुदामा-चरित
सुदामा-चरित नरोत्तमदास की रचना है।

Question 17.
तुलसीदास के काव्य में किन-किन रसों की प्रधानता रही ?
(a) श्रृंगार एवं करुण
(b) करुण एवं रौद्र
(c) शांत एवं करुण
(d) हास्य एवं शांत

▼ Answer

Answer: (c) शांत एवं करुण
रामचरित मानस व उनकी अन्य कृतियों में शांत रस व करुणा का भाव ही है।

Question 18.
तुलसीदास ने अपने काव्य में किस भाषा का प्रमुखता से प्रयोग किया ?
(a) ब्रज भाषा
(b) अवधी भाषा
(c) खड़ी बोली
(d) राजस्थानी

▼ Answer

Answer: (b) अवधी भाषा
वे अवध क्षेत्र के रहने वाले थे। राम के काव्य में अवधी भाषा का ही प्रयोग हुआ है।

Question 19.
राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद में किस घटना के कारण विवाद हो रहा है ?
(a) अपनी-अपनी वीरता प्रदर्शन को लेकर
(b) शिवजी के धनुष के टूटने के कारण
(c) लक्ष्मण की उदंडता के कारण
(d) परशुराम के बड़बोलेपन के कारण

▼ Answer

Answer: (b) शिवजी के धनुष के टूटने के कारण
सीता स्वयंवर में शिवजी का धनुष टूटने के कारण ही परशुराम का क्रोध भड़का था।

Question 20.
शिवजी के धनुष तोड़ने वाले की तुलना परशुराम ने अपने किस शत्रु से की है ?
(a) सहस्रबाहु
(b) घटोत्कच
(c) कर्ण
(d) दुर्वासा ऋषि

▼ Answer

Answer: (a) सहस्रबाहु।

Question 21.
'का छति लाभ जून धनु तोरे' यहाँ जून शब्द का क्या अर्थ है ?
(a) जून का महीना
(b) जीर्ण
(c) जून का धनुष
(d) सम्मानित

▼ Answer

Answer: (b) जीर्ण
जून शब्द जीर्ण का तद्भव रूप है।

Question 22.
राम ने धनुष किस धोखे से छू लिया था ?
(a) कि धनुष बहुत मजबूत है
(b) कि धनुष एकदम नया है
(c) कि धनुष उससे उठेगा नहीं
(d) कि धनुष बहुत भारी है

▼ Answer

Answer: (b) कि धनुष एकदम नया है
धनुष बहुत सजा-धजा था, राम ने सोचा कि यह ! धनुष एकदम नया है।

Question 23.
परशुराम ने अपनी भुजाओं के बल से.....कर दिया।
(a) धरती को क्षत्रियों से रहित
(b) क्षत्रियों का पालन
(c) गरीब लोगों की सहायता
(d) विश्व विजय

▼ Answer

Answer: (a) धरती को क्षत्रियों से रहित
परशुराम ने अनेक बार इस धरती पर क्षत्रिय राजाओं का वध किया एवं उनका राज्य ब्राह्मणों को दे दिया था।

Question 24.
तरजनी (तर्जनी) देखकर कौन मर जाता है ?
(a) कायर व्यक्ति
(b) कुम्हड़बतिआ (छुई-मुई)
(c) अहंकारी व्यक्ति
(d) काशीफल

▼ Answer

Answer: (b) कुम्हड़बतिआ (छुई-मुई)
कुम्हड़बतिआ एक तरह का पौधा होता है। इसे छुई-मुई भी कहते हैं। यह तर्जनी के इशारे से मुरझा जाता है। ऐसा लगता है मानो यह सूख गया है। कुम्हड़े के कच्चे फल को भी कहते हैं।

Question 25.
रघुकुल के लोग किन-किन पर दया करते हैं ?
(a) गरीबों पर
(b) महिलाओं पर
(c) ब्राह्मणों पर
(d) देवता, ब्राह्मण, ईश्वर के भक्त व गाय पर

▼ Answer

Answer: (d) देवता, ब्राह्मण, ईश्वर के भक्त व गाय पर
क्योंकि इनको मारने से पाप लगता है और इनसे हारने से अपकीर्ति मिलती है।

काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

(1)

नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा ॥
आयेसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही॥
सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरि करनी करि करिअ लराई ॥
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा ॥
सो बिलगाउं बिहाइ समाजा। न त मारे जैहहिं सब राजा ॥
सुनि मुनि बचन लखन मुसुकाने। बोले षरसुधरहि अवमाने ॥

बहु धनुहीं तोरी लरिकाईं। कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाईं ॥
एहि धनु पर ममता केहि हेतू। सुनि रिसाइ कह भृगुकुलकेतू ॥

रे नृप बालक कालबस, बोलत तोहि न सँभार।
धनुही सम तिपुरारि धनु, बिदित सकल संसार ॥

Question 1.
यह कौन कहता है कि धनुष तोड़ने वाला तुम्हारा ही कोई दास होगा ?
(a) राम
(b) लक्ष्मण
(c) विश्वामित्र
(d) परशुराम

▼ Answer

Answer: (a) राम
राम परशुराम जी से कहते हैं कि धनुष तोड़ने वाला तुम्हारा ही कोई दास होगा।

Question 2.
लक्ष्मण की किस बात से परशुराम की क्रोधाग्नि भड़क गई ?
(a) लक्ष्मण द्वारा परशुराम को कायर बताने पर
(b) शिवजी के धनुष को धनुहीं कहने पर
(c) बिना वात के बोलने पर
(d) लक्ष्मण द्वारा धनुष तोड़ने पर

▼ Answer

Answer: (b) शिवजी के धनुष को धनुहीं कहने पर
शिवजी के धनुष को धनुहीं कहने पर

Question 3.
राम ने जिस धनुष को तोड़ा वह किसका था ?
(a) लक्ष्मण का
(b) परशुराम का
(c) राजा जनक का
(d) तीनों लोकों के स्वामी शिवजी का

▼ Answer

Answer: (d) तीनों लोकों के स्वामी शिवजी का
यह धनुष त्रिपुरारि अर्थात् शिवजी का था।

Question 4.
भृगुकुलकेतू कौन है ?
(a) श्रीराम
(b) लक्ष्मण
(c) विश्वामित्र
(d) परशुराम

▼ Answer

Answer: (d) परशुराम
परशुराम भृगुकुल में उत्पन्न हुए और उन्होंने उसकी कीर्ति को बढ़ाया।

Question 5.
इस पद्यांश में किस छंद का प्रयोग हुआ है ?
(a) चौपाई
(b) दोहा
(c) चौपाई व दोहा दोनों
(d) सवैया

▼ Answer

Answer: (c) चौपाई व दोहा दोनों
अंतिम दो पंक्तियाँ दोहा छंद में हैं, बाकी पंक्तियाँ चौपाई छंद में लिखी गई हैं।

---

(2)

लखन कहा हसि हमरें जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना ॥
का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें ॥
छुअत टूट रघुपतिहू न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू ॥
बोले चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा ॥
बालकु बोलि बधौं नहि तोही। केवल मुनि जड़ जानहि मोही॥
बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्वबिदित छत्रियकुल द्रोही ॥

भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही। बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही ॥
सहसबाहुभुज छेदनिहारा परसु बिलोकु महीपकुमारा ॥

मातु पितही जनि सोचबस करसि महीसकिसोर ।
गर्भन्ह के अर्भक दलन परसु मोर अति घोर ॥

Question 1.
लक्ष्मण ने धनुष के टूटने का क्या कारण बताया ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- धनुष जर्जर एवं पुराना था
- राम ने उसे नया समझ कर उठाया था।

Question 2.
परशुराम जी ने अपने बारे में क्या बताया ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- मैं बहुत क्रोधी हूँ
- मैं बाल ब्रह्मचारी हूँ
- क्षत्रिय कुल का घातक हूँ।

Question 3.
परशुराम ने किसकी भुजाओं को काटा था ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- सहस्रबाहु की
- सहस्रबाहु ने ऋषि जमदग्नि से कामधेनु का बलपूर्वक हरण किया था।
- ऋषि जमदग्नि परशुराम के पिता थे।

Question 4.
परशुराम ने अपने फरसे की क्या विशेषताएँ बताईं ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- फरसा बहुत भयंकर है
- यह गर्भ के शिशु का भी वध कर देता है।

Question 5.
इस पद्यांश की भाषा कैसी है ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- अवधी भाषा
- ओजगुण की प्रधानता।

---

(3)

बिहसि लखनु बोले मृदु वानी। अहो मुनीसु महाभट मानी ॥
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन फूँकि पहारू ॥
इहाँ कुम्हड़बतिआ कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं ॥
देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना ॥
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी ॥

सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई ॥
बधे पापु अपकीरति हारें। मरत हूँ पा परिअ तुम्हारें ॥
कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा । व्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा ॥

जो बिलोकि अनुचित कहेउँ, छमहु महामुनि धीर ॥
सुनि सरोष भृगुबंसमनि बोले गिरा गंभीर ॥

Question 1.
कवि एवं कविता का नाम बताइए।

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- कवि : तुलसीदास
- कविता : राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद

Question 2.
लक्ष्मण ने परशुराम जी से हँसकर क्या कहा?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- आप अपने आपको बहुत बड़ा योद्धा समझते हो
- क्या फूंक मार कर पहाड़ उड़ाना चाहते हो
- हम भी कोई छुईमुई नहीं हैं।

Question 3.
लक्ष्मण ने किन-किन को अवध्य बताया ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- ब्राह्मण
- देवता
- भगवान के भक्त
- गाय।

Question 4.
लक्ष्मण ने परशुराम से यह क्यों कहा कि आप तो व्यर्थ में ही धनुष बाण एवं फरसा धारण किये फिरते हो ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- परशुराम का एक-एक वचन ही करोड़ों वज्रों के समान है
- वे अपनी भाषा से ही विरोधी को हरा सकते थे।

Question 5.
'कुम्हड़बतिआ' की क्या विशेषता होती है ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- यह एक प्रकार का घास है
- इसकी पत्तियाँ तर्जनी अंगुली के इशारे से ही मुरझा जाती हैं।

---

(4)

कौसिक सुनहु मंद येहु बालकु। कुटिल कालबस निज कुल घालकु॥
भानुबंस राकेस कलंकू। निंट निरंकुसु अबुधु असंकू ॥
कालकवलु होइहि छन माहीं। कहौं पुकारि खोरि मोहि नाहीं ॥
तुम्ह हटकहु जौ चहहु उबारा । कहि प्रतापु बलु रोषु हमारा ॥
लखन कहेउ मुनि सुजसु तुम्हारा । तुम्हहि अछत को बरनै पारा ॥
अपने मुहु तुम्ह आपनि करनी। बार अनेक भाँति बहु बरनी ॥
नहि संतोषु त पुनि कछु कहहू। जनि रिस रोकि दुसह दुख सहहू ॥
बीरबती तुम्ह धीर अछोभा। गारी देत न पावहु सोभा ॥

सूर समर करनी करहिं कहि न जनावहिं आपु।
बिद्यमान रन पांइ रिपु कायर कथहिं प्रतापु ॥

Question 1.
परशुराम जी ने विश्वामित्र से क्या कहा ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- यह बालक कुबुद्धि है
- यह अपने कुल के लिए घातक बन सकता है
- इसको मेरे बल-प्रताप के बारे में बता दीजिए।

Question 2.
लक्ष्मण ने परशुराम पर क्या व्यंग्य किया ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- आपके सुयश का आपके अतिरिक्त और कोई वर्णन नहीं कर सकता

- आप धैर्यवान और क्षोभ रहित हो।

Question 3.
इस चौपाई में परशुराम के चरित्र की किस विशेषता का पता चलता है ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- परशुराम में आत्म-प्रवंचना बहुत अधिक थी
- वे बहुत अहंकारी स्वभाव के थे
- वे बहुत ही क्रोधी स्वभाव के थे।

Question 4.
लक्ष्मण ने शूरवीर की क्या-क्या विशेषताएँ बताईं ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- शूरवीर अपनी बड़ाई स्वयं नहीं करते
- वे युद्ध भूमि में ही अपनी शूरता का परिचय देते हैं।

Question 5.
इस चौपाई में कौन-कौन से अलंकारों का प्रयोग हुआ है ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- रूपक
- उपमा
- अनुप्रास।

---

(5)

तुम्ह तौ कालु हाँक जनु लावा। बार बार मोहि लागि बोलावा ॥
सुनत लखन के बचन कठोरा ॥ परसु सुधारि धरेउ कर घोरा ॥
अब जनि देह दोसु मोहि लोगू। कटुबादी बालकु बधजोगू ॥
बाल बिलोकि बहुत मैं बाँचा। अब यह मरनिहार भा साँचा ॥
कौसिक कहा छमिअ अपराधू। बाल दोष गुन गनहिं ना साधू ॥
खर कुठार मैं अकरुन कोही। आगे अपराधी गुरुद्रोही ॥
उतर देत छोड़ों बिनु मारे। केवल कौसिक सील तुम्हारे ॥
न त येहि काटि कुठार कठोरे। गुरहि उरिन होतेउँ श्रम थोरे ॥

गाधिसूनु कह हृदयँ हँसि मुनिहि हरियरे सूझ।
अयमय खाँड न ऊखमय अजहुँ न बूझ अबूझ ॥

Question 1.
लक्ष्मण ने परशुराम के बार-बार ललकारने पर क्या कहा ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- मानो काल तुम्हारे वश में है
- तुम काल को मेरे लिए बुला लाओगे।

Question 2.
लक्ष्मण की बातों का परशुराम पर क्या असर हुआ ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- परशुराम का क्रोध और अधिक भड़क उठा
- कटु बोलने बाला यह बालक वध के योग्य है।

Question 3.
विश्वामित्र ने परशुराम को क्या कहकर शांत करने का प्रयास किया ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- साधु लोग बालकों के गुण-दोष को नहीं देखा करते
- इसके अपराध को क्षमा कर दीजिए।

Question 4.
विश्वामित्र परशुराम के क्रोध को देखकर मन ही मन क्या सोच रहे थे ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- यह कोई गन्ने की खाँड नहीं है
- यह फौलादी खांडा है।

Question 5.
इस काव्यांश से श्लेष अलंकार का उदाहरण छाँट कर लिखिए-

अयमय खाँड़ न ऊखमय अजहुँ न बूझ अबूझ ॥

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- यहाँ खाँड के दो अर्थ हैं- गन्ने की खाँड व फौलाद।

---

(6)

कहेउ लखन मुनि सीलु तुम्हारा। को नहि जान बिदित संसारा ॥
माता तिहि उरिन भये नीकें। गुररिनु रहा सोचु बड़ जी कें॥
सो जनु हमरेहि माथे काढ़ा। दिन चलि गये व्याज बड़ बाढा ॥
अब आनिअ ब्यवहरिआ बोली। तुरत देउँ मैं थैली खोली ॥
सुनि कटु बचन कुठार सुधारा। हाय हाय सब सभा पुकारा ॥
भृगुवर परसु देखावहु मोही। विप्र बिचारि बचौं नृपद्रोही ॥
मिले न कबहूँ सुभट रन गाढ़े। द्विजदेवता घरहि के बाढ़े ॥
अनुचित कहि सबु लोगु पुकारे। रघुपति सयनहि लखनु नेवारे ॥

लखन उतर आहुति सरिस भृगुबरकोपु कृसानु ।
बढ़त देखि जल सम बचन बोले रघुकुलभानु ॥

Question 1.
लक्ष्मण जी ने परशुराम पर यहाँ क्या-क्या व्यंग्य किए हैं ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- माता-पिता के ऋण से तो आप पहले उऋण हो चुके हो
- गुरु का ऋण शायद हमें ही उतारना पड़े
- किसी हिसाब-किताब करने वाले को बुला लीजिए।

Question 2.
सभा में हा-हाकार क्यों मच गया था ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- परशुराम ने लक्ष्मण को मारने के लिए फरसा उठा लिया था
- वे लक्ष्मण को मारने के लिए दौड़े थे।

Question 3.
सभा अनुचित है अनुचित है क्यों चिल्ला रही थी ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- लक्ष्मण ने परशुराम से कहा कि आपको कभी शूरवीर नहीं मिले
- आप घर-घर में ही बड़े बनते हो।

Question 4.
राम और लक्ष्मण के वचन कैसे थे ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- राम के वचन जल की तरह शीतल थे
- लक्ष्मण के वचन यज्ञ में आहुति के समान थे।

Question 5.
दोहे में किस-किस अलंकार का प्रयोग हुआ है ?

▼ Answer

Answer:
संकेत :

- उपमा
- रूपक।

लघूत्तरीय प्रश्न

Question 1.
परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष टूट जाने के क्या-क्या तर्क दिए।

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- धनुष पुराना और कमजोर था
- धनुष छूने से ही टूट गया
- राम ने इसे नए के धोखे से देखा था।

Question 2.
राम और लक्ष्मण के स्वभाव में क्या अंतर था ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- राम के वचन जल के समान शीतल थे
- लक्ष्मण के वचन यज्ञ में आहुति के समान थे
- राम बहुत ही विनम्र स्वभाव के थे
- लक्ष्मण उग्र स्वभाव के थे।

Question 3.
लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या-क्या विशेषताएँ बताईं ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- वीर अपने बल पराक्रम के बारे में स्वयं नहीं कहता
- वीर अपनी वीरता युद्धभूमि में दिखाता है।

Question 4.
परशुराम ने सभा में क्या घोषणा की ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- जिसने शिव-धनुष तोड़ा वह बाहर आ जाए अन्यथा सारे राजा मारे जाएंगे।

Question 5.
परशुराम ने अपने बारे में क्या बताया?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- मैं बहुत क्रोधी हूँ
- मैंने इस धरती को कई बार क्षत्रियों से रहित किया है
- मेरा फरसा बहुत विकराल है।

Question 6.
राम के वचनों का परशुराम पर क्या प्रभाव पड़ा?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- परशुराम का क्रोध धीरे-धीरे शांत हो गया
- राम के मधुर वचनों से।